३०/८९०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१८)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रारंभ**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - पांचवाँ संस्करण : जनवरी - २०१५

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''मैं नहीं मानती कि मेरा घनश्याम चोरी कर सकता है।'' (६४)
२. ''यदि शांतिपूर्वक बैठकर कान बिंधवाओगे तो खाने के लिए गुड़ मिलेगा।'' (१८)
३. ''तुम हमेशा पेड़ पर चढ़कर पश्चिम दिशा की ओर क्या देखते हो?'' (३७)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. अनन्त जीवों का कल्याण करने के लिए घनश्याम ने कौन सा मार्ग चुना ? (६९) २. बन्दर क्यों चिल्लाने लगा ? (३४)
३. महावत हमेशा क्या चुरा लेता था ? (५६) ४. घनश्याम को चेचक और बुखार कैसे उतर गया ? (२७-२८)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : बन्दरों की पिटाई :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपटकर पेड़ पर जा बैठा।

उत्तर : बन्दरों की पिटाई :- अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर पूड़ी झपटकर पेड़ पर जा बैठा।

१. **चोर चिपक गए :** रामप्रतापजी रोज की तरह हाथ में दूध का लोटा लेकर बगीचे में दातून करने आ पहुँचे। पेड़ पर बैठे हुए ब्राह्मणों ने उनको देखा तो पसीना गिराने लगे। (८०)
२. **सिद्धियाँ प्रभु की सेवा में :** अचानक रामप्रताप को इस बात का पता चल गया। उन्होंने घर ही घर नौ सिद्धियों को हलुआ लाने की आज्ञा कर दी। (२०)
३. **एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन :** शहर में एक अन्य मन्दिर देखकर इच्छारामजी वहाँ भी प्रदक्षिणा करने के लिए गए। वहाँ भी कृष्णकथा हो रही थी। (३९)
४. **भाभी का विलाप :** वसंताबाई और वचनामौसी के घर पूछताछ की, आस-पड़ोस से लेकर हर आश्रम, हर खेतों को छान मारा। पर इच्छाराम का पता कहीं नहीं लगा। (९५)

प्र.४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है।) **[५]**

१. धर्मपिता का देहोत्सर्ग (९०) २. हज़ार संन्यासियों की जमात को भोजन (६०-६२)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा।

१. बालमित्रों को भोजन करवाया (५९)
   (१) ☐ मीन-सरोवर के किनारे। (२) ☐ खेलते-खेलते पाँच बज गए।
   (३) ☐ दोपहर तक खेलने का वादा करो। (४) ☐ अब मिठाई खिलाओ !
२. प्रभु का नामकरण (१४-१५)
   (१) ☐ तीन मास (२) ☐ सहजानंद (३) ☐ मार्कण्डेय मुनि (४) ☐ कर्क राशि
३. नित्यक्रम (८७)
   (१) ☐ दस बजे मन्दिरों में दर्शन। (२) ☐ दोपहर तीन बजे सरोवर में स्नान।
   (३) ☐ हनुमानगढ़ी में सन्ध्या आरती। (४) ☐ बारह बजे पिताजी के साथ भोजन।
४. भूतहा कुआँ (४०)
   (१) ☐ अयोध्या (२) ☐ प्रथित पाण्डे (३) ☐ लोटा (४) ☐ बावड़ी

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. घनश्याम के बालमित्रों वटवृक्ष के बड़े खोखले में छिप गए। (२५) २. नाविक ने घनश्याम के पास सवाये दाम माँगे। (७२)
३. धर्मदेव और रामप्रतापभाई को विश्वास हो गया कि सब के प्राणीमात्र का जीवन घनश्याम के हाथों में है। (३२)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - तृतीय संस्करण : जनवरी - २०१४

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''ऐसे पुरुष वास्तव में अवतारी पुरुष का स्थान पाते हैं।'' (२१, २२)
२. ''योगीजी महाराज का सम्मान तो समस्त मानवजाति के समुद्धारक का सम्मान है।'' (५३, ५४)
३. ''रो ले अपने गुणातीत को, वह तुझे छुड़ाएगा।'' (२८, २९)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. गढडा में मूर्तिप्रतिष्ठा किसने और कब की ? (संवत्, मास, तिथि) (४२)
२. भावनगर में ठाकुरजी ने क्या भोजन किया ? (३६)
३. युवकों को साधु बनाकर योगीजी महाराज क्या सिद्ध करवाना चाहते थे ? (४६)
४. योगीजी महाराज बच्चों से कौन सी धुन गवाते ? (५५)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रारंभ**''परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे। (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी।)

प्र.९ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। **[६]**

विषय : सर्प-दंश (३७-३९)

१. वैष्णव डॉक्टर चकित हो गए। **२.** शास्त्रीजी महाराज ने गोंडल में अक्षरदेहरी पर मन्दिर बनवाने का कार्य प्रारम्भ किया। **३.** मध्यरात्रि में एक भयंकर तक्षक साँप आया। **४.** शास्त्रीजी महाराज ने कहा, ''योगीजी महाराज को अक्षरदेहरी में ले चलो और 'स्वामिनारायण' नाम की धुन रटना शुरू कर दो।'' **५.** सारे हाथ में पीड़ा फैल गई। **६.** कुछ लोग दूसरे उपायों की भी चर्चा करने लगे। **७.** योगीजी महाराज को दायें हाथ की बीच की उँगली पर दंश दिया। **८.** योगीजी महाराज, सन्तों के साथ मिट्टी के कच्चे घर में - झोंपड़ी में रहते थे। **९.** गोंडल के नवाब एवं उनके दरबारी आश्चर्य में डूब गए। **१०.** योगीजी महाराज ने आँखें खोली । शास्त्रीजी महाराज की उन्होंने चरणवन्दना की। **११.** ठीक दस घण्टों के बाद पूरा ज़हर उतर गया ! **१२.** सभी सन्त तुरन्त उन्हें अक्षरदेहरी में ले गए और शास्त्रीजी महाराज की आज्ञा के अनुसार ठाकुरजी के सामने सुलाकर धुन गाने लगे।

(१) केवल सही क्रमांक ☐☐☐☐☐☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐☐☐☐☐☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) **[५]**

१. सेवामय सन्त (२९, ३१) २. निडर सत्यवक्ता (९-१०)

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. मोहनभाई की नज़र झीणाभाई पर पड़ी। (१३) २. योगीजी महाराज ने हरिकृष्ण महाराज को प्रार्थना कर के क्षमा माँगी। (३६, ३७)
३. योगीजी महाराज से अलग होते समय युवकों की आँखें भीग जाती। (४६)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०११

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. शास्त्रीजी महाराज के माता-पिता का नाम क्या था ? (५४) २. हमारे बुरे आचरण से किस का नाम बदनाम होता है ? (५६)
३. श्रीहरि ने शूरवीर बालभक्त को प्रहलाद से अधिक क्युं कहाँ ? (२०) ४. भगवानने हमें क्या क्या मुफ़्त में दिया है ? (७)

प्र.१३ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **[४]**

१. सद्गुरु ..... स्वामी को ..... दिन के उपवास हुए। (३३)
२. ..... समाधि में श्रीहरि के पास से मेवा मिठाई, फूल या ..... आदि ले आता। (६४)
३. पूजा डोडिया ..... के मन्दिर में शिव दर्शन करके ..... में आत्महत्या के लिए जा रहे थे। (६०)
४. गंगामाँ ..... स्वामी की ..... थीं। (२०)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा।

१. श्रीजीमहाराज ने अपनी मूर्ति प्रतिष्ठित की। (१५)
(१) ☐ अहमदाबाद (२) ☐ गढ़डा (३) ☐ वड़ताल (४) ☐ जूनागढ़
२. धुन (८-९)
(१) ☐ वाल्मीकि ऋषि (२) ☐ अजामिल (३) ☐ जोबनपगी (४) ☐ माधव
३. अखण्डानन्द स्वामी (२४)
(१) ☐ जैसा गुण वैसा ही काम। (२) ☐ मैं देहात्मा हूँ, अमर हूँ।
(३) ☐ मेरा आनन्द कौन खण्डित कर सकता है ? (४) ☐ बाघ के हृदय में परिवर्तन हो गया !
४. वीर भगुजी (२७, २८)
(१) ☐ खबड़ और मतारा (२) ☐ दादाखाचर के खेतों की सुरक्षा
(३) ☐ संतदास (४) ☐ मैं तो श्रीकृष्ण का सेवक हूँ।

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए। **[८]**

१. आत्मा एवं ..... ब्रह्म एवं परब्रह्म॥ (१०) २. ''नहीं डरते ..... गान गाएँगे।'' (शौ.गी.)
३. ''सद्बुद्धि ..... दीजिए टारी।'' (१२) ४. ''प्रभु! जलपान ..... भूमानंदजी माँगे।'' (३३)

प्र.१६ ''कितनों को मन.....'' (५१-५४) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए। (पंद्रह पंक्तियाँ)** **[५]**

प्र.१७ 'बालमंडल की सभा में बर्ताव' (६५-६८) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।)** **[५]**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न रविवार, दिनांक - १५ जुलाई, २०१८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx